बर्षः- 06
अंकः- 80
मुरादाबाद
(Friday)
10 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मुख्यमंत्री ने 701 करोड़ की दीं सौगातें, बोले- बुंदेलखंड को स्वर्ग बनाने का करेंगे काम

मुख्यमंत्री योगी बांदा पहुंच चुके हैं। यहां पंडित जवाहरलाल नेहरू डिग्री कॉलेज में 701 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। सीएम ने कहा कि अब निवेश की संभावना से पलायन रुका है। एक जनपद-एक उत्पाद में शजर पत्थर ने बनाई पहचान। शजर की गिनती कीमती रत्नों में हो रही है। बुंदेलखंड को बीडा के रूप में मिलेगी बड़ी सौगात। यहां नौकरी मांगने आएंगे नौजवान। कहा कि विकास और विरासत की यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए अच्छे जनप्रतिनिधि जरूरी हैं। आज का विकास उन्हीं का परिणाम है।

जो भी प्रोजेक्ट जनप्रतिनिधि लाएंगे, उसे आगे बढ़ाकर बुंदेलखंड को धरती का स्वर्ग बनाने का काम करेंगें।विकास की निरंतरता नहीं होगी, तो आने वाली पीढ़ियां कोसेंगी। बबेरू के सपा विधायक को नहीं है, विकास में रुचि। गरीबों के हक पर डकैती डालना ही उनका विकास है। इसे हर हाल में रोकना होगा। पहले क्यों नहीं लगी महाराणा प्रताप और अवंतीबाई की मूर्ति की स्थापना। क्यों नहीं बन पाया बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे। 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद अवैध असलहा और जमीनों पर माफिया के कब्जे को हटाने के लिए कहा था। तब 64 हजार एकड़ जमीन सपा के गुंडों से खाली हुई थी। आज उसी में निवेश हो रहा है।जो आज मंदिरों के संरक्षण में लग रहा है, यह सपा सरकार में कब्रिस्तान के विकास के लिए जाता था।

इसलिए आज वे विरोध करते हैं। भाजपा के लिए विरासत और विकास एक साथ चलने वाली प्रक्रिया का भाग है। सपा ने नौजवानों के हाथ में पकड़ाए तमंचे, नहीं दी नौकरी। भाजपा में ब्रह्मोस बनती है। जब भारत ब्रह्मोस चलता है, तो पाकिस्तान भी चिल्लाता है।अपने वीरों और वीरांगनाओं को सम्मान देने का काम कर है बांदा। मैं कल चित्रकूट में था, जहां प्रभु राम की स्मृतियां हैं। मैं कामतानाथ प्रभु की परिक्रमा करके बांदा आया हूं।

कुछ लोग विरासत को अपमानित करते हैं। कुछ लोग इसे कोसने को हो अपना ध्येय समझते हैं। उन्हें राम मंदिर, काशी विश्वनाथ, मां विंध्यवासिनी और चित्रकूट में हो रहे काम अच्छे नहीं लगते हैं।तुष्टीकरण पर नहीं चलती भाजपा सरकार- 2017 से पहले जिनको प्रदेश की जिम्मेदारी दी, वह यही करते थे। आज सबको योजनाओं का लाभ मिल रहा है।तुष्टीकरण पर नहीं चलती भाजपा सरकार। आगे कहा कि व्यापारी और बेटी के सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए यमराज के पास जाने का रास्ता भी खोला है।जनप्रतिनिधि जब प्रस्ताव लाते हैं, तो विकास की सौगात मिलती है। आज बुंदेलखंड में सब कुछ है। मेडिकल कॉलेज है, कृषि विश्वविद्यालय है। इंजीनियरिंग कॉलेज है, अन्य कार्य भी हो रहे हैं। ये तभी संभव है, जब अच्छे जनप्रतिनिधि चुने जाते हैं। अगर कोई डकैत जीतेगा, तो योजनाओं में भी डकैती डालेगा, जमीनें कब्जाएगा।

आगे कहा कि मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उम्मीद जगी। क्षेत्र में कनेक्टिविटी बढ़ी, पेयजल भी मिला। बांदा के नौजवानों को आज रोजगार मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार ने सपनों को पूरा किया है। इसका श्रेय जनता जनार्दन को जाता है।बुंदेलखंड में पिछड़ेपन के चलते होता था पलायन।

प्यास बन गई थी पहचान। कहीं भू माफिया, तो कहीं खनन माफिया, तो कहीं वन माफिया और डकैतों का आतंक था। न रोजगार था और न ही कनेक्टिविटी। दबंगों पर एफआईआर भी नहीं होती थी। अस्तित्व के लिए जूझ रहा था बुंदेलखंड।- सीएम ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के प्रयासों का परिणाम हैं 710 करोड़ की परियोजनाएं। आज बुंदेलखंड की प्रगति देखकर आज प्रसन्नता होती है। जब नौ साल पहले मैं आया था, जो स्थित देखी थी...बेहद दयनीय थी। पिछड़ापन बुंदेलखंड की पहचान बन गई थी। प्रधानमंत्री ने भी बुंदेलखंड के विकास की बात की थी। सीएम योगी ने भगवान राम और हनुमान जी को नमन कर अपना संबोधन शुरू किया। कहा- मैं महर्षि बामदेव की पावन धरा को नमन करता हूं। इसके बाद सभी जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों का अभिनंदन किया। पं. जवाहरलाल नेहरू डिग्री कॉलेज मैदान के बाहर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सीमा खान सहित अन्य कांग्रेसियों ने काली झंडी दिखाकर मंदिर चोर जैसी नारेबाजी की। पुलिस ने सभी को हिरासत में लिया है।बांदा पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने बटन दबाकर 710 करोड़ से अधिक लागत की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इसके बाद विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को नियुक्ति-पत्र/स्वीकृति-पत्र/चेक/आयुष्मान एवं मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा कार्ड/चाबी और टूल किट का वितरण किया।

संक्षिप्त समाचार

आयुध निर्माणी में करोड़ों का घोटाला, बांटे फर्जी टेंडर, हवाई यात्रा के टिकट, पत्नियों के खातों में रिश्वत

सीबीआई ने फिरोजाबाद की रक्षा मंत्रालय के अधीन आयुध वस्त्र निर्माणी में करीब 12 करोड़ रुपये के कथित टेंडर घोटाले का खुलासा करते हुए चार एफआईआर दर्ज की हैं। मामले में पूर्व मुख्य महाप्रबंधक समेत 10 लोगों पर फर्जी टेंडर, रिश्वत, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं।रक्षा मंत्रालय के अधीन फिरोजाबाद के हजरतपुर स्थित आयुध उपस्कर निर्माणी (ओईएफएच) में भ्रष्टाचार का एक सनसनीखेज मामला सीबीआई जांच में खुला है। सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा गाजियाबाद ने कारखाने के तत्कालीन मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) अमित सिंह, कनिष्ठ कार्य प्रबंधकों (जेडब्ल्यूएम) और कई ठेकेदारों व छद्म (डमी) कंपनियों के खिलाफ भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश की 4 अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं। इनमें कुल 10 आरोपी बनाए गए हैं। सीबीआई जांच में साफ हुआ है कि वर्ष 2022 से 2025 के बीच नियमों को ताक पर रखकर करीब 12 करोड़ रुपये से अधिक के फर्जी टेंडर बांटे गए और कारखाने के भीतर के ही कंप्यूटरों का इस्तेमाल कर चहेती कंपनियों को टेंडर दिलाए गए। इसके एवज में अफसरों को लाखों की रिश्वत, दक्षिण कोरिया की हवाई यात्रा के टिकट और उनकी पत्नियों के खातों में मोटी रकम ट्रांसफर की गई।

राम मंदिर विवादः कोषाध्यक्ष बोले- चंपत राय इस्तीफा देने के बाद आक्रोशित नहीं, वो ट्रस्ट के साथ

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देवगिरी ने अयोध्या में चंपत राय से मुलाकात को लेकर लग रही अटकलों पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि मुलाकात के दौरान चंपत राय के स्वास्थ्य, ट्रस्ट की कार्यप्रणाली, राम मंदिर की व्यवस्थाओं तथा हाल के घटनाक्रमों पर चर्चा हुई।श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देवगिरी ने अयोध्या से रवाना होने से पहले ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि चंपत राय का स्वास्थ्य पूरी तरह ठीक है और उनके मन में किसी प्रकार का आक्रोश नहीं है। गोविंद देवगिरी ने कहा कि मुलाकात के दौरान चंपत राय के स्वास्थ्य, ट्रस्ट की कार्यप्रणाली, राम मंदिर की व्यवस्थाओं तथा हाल के घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि चंपत राय ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे नए निर्णयों और व्यवस्थाओं के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं।कोषाध्यक्ष ने कहा कि चंपत राय जीवनभर भारत माता की सेवा के लिए समर्पित रहे हैं और एक अनुशासित संगठन कार्यकर्ता हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ट्रस्ट की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में जो भी कदम उठाए जा रहे हैं, उनमें चंपत राय का पूरा सहयोग और समर्थन है। गोविंद देवगिरी के इस बयान को हाल के विवादों के बीच चंपत राय के रुख को लेकर आई अटकलों पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नकद रुपए देकर परिचितों से खाते में धनराशि लेते थे चढ़ावा चोरी क्या आरोपी- राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कस्टडी रिमांड पर लिए गए तीनों आरोपियों से पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने चोरी की रकम को छिपाने के लिए ऐसा तरीका अपनाया, जिससे किसी को आसानी से शक न हो।

कलेक्ट्रेट पर हंगामाः वकील के बोलते ही भड़के SSP बंदी वाहन में वकील पर बरसाए थप्पड़, पांच हिरासत में लिए

मेरठ में छात्रा की हत्या के मामले में कलक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन के दौरान सड़क जाम हटाने पहुंची पुलिस ने कार्रवाई की। पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। बंदी वाहन में एक व्यक्ति को थप्पड़ मारने का आरोप भी सामने आया है।मेरठ में अनुसूचित जाति की बीए छात्रा के अपहरण के बाद हत्या के मामले में बुधवार को कलक्ट्रेट के बाहर पीड़ित परिजन और समर्थक सड़क पर धरना देकर जाम लगाकर बैठ गए। करीब तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद भी जब लोग नहीं हटे तो एसएसपी अविनाश पांडेय मौके पर पहुंचे। उन्होंने धरने पर बैठे कुछ लोगों को थप्पड़ जड़ दिए जिसके बाद हंगामा हो गया।पुलिस ने लाठी फटकार सड़क खाली कराई और पांच लोगों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद एसएसपी ने बंदी वाहन में पहुंचकर हिरासत में लिए गए सूरजपुर, गौतमबुद्धनगर निवासी रवि गौतम को कई थप्पड़ जड़ दिए। रवि गौतम ने अपने गमछे से फंदा लगाने की कोशिश की। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। टीपीनगर थाना क्षेत्र की बीए की छात्रा 15 मई की सुबह स्नातक की परीक्षा देने घर से निकली थी लेकिन वह कॉलेज नहीं पहुंची। पुलिस के अनुसार रोहटा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी अंकुश उसे अगवा कर उकसिया गांव ले गया था। पुलिस ने अपहरण और हत्या के आरोप में अंकुश तथा साक्ष्य छिपाने के आरोप में खेत मालिक आदेश व एक अन्य को गिरफ्तार कर कार्रवाई की थी। वहीं परिजन छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए अंकुश के भाई, पीएसी के सिपाही अंकित, और उसकी मां की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से मिले अखिलेश यादव, बोले- सनातन को अधर्मियों से मुक्त कराने के लिए चर्चा की

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की और इसकी तस्वीरें शेयर कर कहा कि हमने सनातन को अधर्मियों से मुक्त कराने पर चर्चा की।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की। मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि हमने सनातन पर आए संकट और उसे अधर्मियों से मुक्त करने के लिए आपस में चर्चा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज प्रातः काल पूज्य शंकराचार्य जी के दर्शन एवं आशीर्वाद के सौभाग्यशाली क्षण और सनातन पर आए संकट को दूर करने व अधर्मियों के चंगुल से धर्म को मुक्ति दिलाने के लिए सार्थक वार्ता।उल्लेखनीय है कि अखिलेश यादव ने अयोध्या के राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी को लगातार उठाया और इसके सहारे भाजपा पर निशाना साधा। राम मंदिर में चंदा चोरी से दुनिया का हर सनातनी आहत- इसके पहले, अखिलेश यादव ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा, चंदा व दान चोरी का समाचार समस्त विश्व में फैल चुका है। दुनिया के विभिन्न देशों में रहने वाला सनातनी भाजपा और उनके संगी-साथियों के कृत्यों से हो रही बदनामी की वजह से शर्मसार हैं और इसलिए आहत भी कि उन्होंने भी मंदिर में दान-चंदा भिजवाया था या स्वयं आकर चढ़ाया था। इस प्रकरण से विश्व में सनातन समाज आक्रोशित है, क्योंकि धर्म के साथ देश को भी भाजपा के अधर्मियों के कारण अपयश का शिकार होना पड़ रहा है।अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने कहा कि गौमाता के साथ अन्याय हो रहा है और वे भूख-प्यास से मर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गौसंवर्धन की बात करने वाली सरकारें ठोस कदम नहीं उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि गाय को राष्ट्रमाता घोषित कराने और उनके संरक्षण के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। शंकराचार्य ने राम मंदिर से जुड़े मुद्दे पर भी अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि वहां रामभक्तों की भूमिका सुनिश्चित होनी चाहिए।

विरोध रैली के बीच ममता बनर्जी ने खोया आपा, अपनी ही पार्टी के समर्थक को मारा थप्पड़?

टीएमसी की सुप्रीमो ममता बनर्जी का एक एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कथित तौर पर अपनी ही पार्टी के समर्थक को थप्पड़ जड़ते हुए नजर आ रही हैं। इस वीडियो को लेकर तमाम तरह के दावे किए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि कोलकाता में एक विरोध रैली खत्म होने के बाद समर्थकों के बीच से गुजरते समय उन्होंने आपा खो दिया और अपनी ही पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक कार्यकर्ता को थप्पड़ मार दिया। वायरल वीडियो में क्या दिखाई दिया?- वीडियो में घटना को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। वीडियो में ममता बनर्जी भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पार्टी नेताओं और समर्थकों की भीड़ से घिरी हुई दिखाई दे रही हैं। वह भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश करते हुए आगे बढ़ रही हैं। इसी दौरान वह उनके पास खड़े एक व्यक्ति की ओर हाथ उठाती हुई नजर आती हैं। इसके तुरंत बाद सुरक्षाकर्मी और आसपास मौजूद लोग उस व्यक्ति को ममता बनर्जी से दूर ले जाते हैं। वहीं, ममता बनर्जी बिना रुके आगे बढ़ती हैं।सोशल मीडिया पर अलग-अलग दावे- इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई है। कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि यह ममता बनर्जी की नाराजगी को दिखाता है। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि यह घटना सुरक्षा घेरे को तोड़ने की कोशिश के बाद हुई। वीडियो को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।घटना को लेकर स्थिति साफ नहीं- अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पूरी घटना किस वजह से हुई और ममता बनर्जी किस बात को लेकर नाराज हुई थीं। यह भी जानकारी सामने नहीं आई है कि वीडियो में जिस व्यक्ति पर हाथ उठाने का दावा किया जा रहा है, वह तृणमूल कांग्रेस का कार्यकर्ता था या फिर भीड़ में मौजूद कोई आम व्यक्ति।टीएमसी ने वीडियो पर क्या कहा?- टीएमसी ने थप्पड़ मारने के आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सकी है। यह कथित घटना हाजरा क्रॉसिंग के पास हुई, जहां टीएमसी की विरोध रैली खत्म हो रही थी। इस दौरान टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की और अफरातफरी की स्थिति बन गई थी। भाजपा ने दावा किया कि भीड़ के बीच से निकलने की कोशिश करते समय ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी के एक कार्यकर्ता को थप्पड़ मारा और कुछ अन्य लोगों को भी पीछे धकेला। कुछ समाचार चैनलों ने भी यह वीडियो दिखाया। टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ममता बनर्जी केवल बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही थीं। टीएमसी नेता ने पीटीआई से कहा, वहां बहुत ज्यादा भीड़ थी। वह केवल स्थिति को संभालने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने किसी को थप्पड़ नहीं मारा। ये आरोप बेबुनियाद हैं।

संपादकीय Editorial

How many more investigations remain?

Now, Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath is considering having the Ram Temple theft and robbery case investigated by the CBI. Sources have revealed this. The scope of the investigation will also include lands purchased by Champat Rai Bansal and Anil Mishra. These lands were purchased for the Ram Temple pilgrimage site. Champat Rai was then the General Secretary of the Ram Temple Trust, and Anil Mishra, as a Trust member, signed as a witness to those transactions. Both individuals remain in the Trust today and will likely remain so for life, unless something untoward happens. The police and the Special Investigation Team have conducted extensive interrogations of both. Some revelations have been leaked, but they have categorically denied any involvement in the theft. When does the culprit confess? Despite the interrogation, neither has an FIR been filed against them, nor have they been charged. Trust special invitee Gopal Rao and treasurer Govind Dev Giri are also part of this group. Now, this theft and robbery case is becoming a political and electoral issue, and expert officials and senior lawyers are constantly questioning why an FIR hasn't been filed against Champat Rai, Anil Mishra, and others. The Trust is also guilty of storing stolen goods in the locker. Why was the lakhs of rupees in cash recovered on June 5th returned to the "owner" (the Trust)? Why did the Trust keep the recovered goods in the locker until June 25th? This is a crime under the law. And on June 26th, the police recovered the stolen goods from the locker itself. What kind of game is this? Experts are calling it a "temporary embezzlement" and are arguing for an FIR against the Trust as well. If the UP government decides to initiate a CBI investigation, how many investigations will continue, and how many are still pending? An investigation can only be meaningful and reach a concrete conclusion when an FIR has been filed against the accused and the investigation proceeds along those lines. It has now been prima facie confirmed that Champat Rai Bansal and his trust associates were aware of the theft and robbery at the Ram Temple. The recovery was also carried out under Champat Rai's direction. Champat did not consider the theft to be "significant," so it's clear that a cover-up was being conducted. Something was hidden. The Special Investigation Team was also not informed. So, what transparent truth can the CBI investigation reveal? Believe it or not, the double-engine governments of the Center and Uttar Pradesh are protecting the "accused trustees." The investigations may prove to be a cover-up, as the Uttar Pradesh Assembly elections are due in a few months, and the BJP wants to win those elections at all costs. Now, VHP International President Alok Kumar has also stated on a TV channel that if the need arises to remove Champat Rai from the post of VHP Vice President, it will be considered. "We will deliberate," he said, "removal is not a certainty." Indeed, many discrepancies have been revealed in the alleged investigations and questioning by the Special Investigation Team and the police, experts believe. Both investigations are under the BJP government. They may have been given "unclear instructions"! The CBI investigation is also not completely "impartial," as it works directly under the Prime Minister. The conviction rate for CBI investigations is also very low, and questions have been raised about that, but it is the country's most prominent specialized investigating agency. The Ram Temple Trust is also "public," not a private temple. On Prime Minister Modi's orders, the Union Home Ministry formed the Ram Temple Trust on February 5, 2020.

Kagajam Brahmasmi: Paper is Brahman; what is the existence of humanity without paper?

Today's common man is sitting in a paper boat. The river is deep and the winds are strong. He's not afraid that the boat will sink; he's afraid that if even one corner of the boat gets wet and melts, he won't be able to prove whether he swam or drowned, even if he stands on the shore. I used to think that a human being is made of only two things: body and soul. Recently, I've discovered that there's a third thing: paper. In fact, the first two things come later, paper comes first. The life of a common man is quite simple. Office in the morning, market in the evening, electricity bill at night, and fees at the end of the month. He never imagined that one day he would have to prove his identity. He thought his face would be enough. The neighbors recognized him, his wife recognized him, his children recognized his footsteps without seeing him. But these are all domestic proofs. They hold no significance in official language. Today, a man isn't born first; his papers are born first. Man gradually adapts to them later. Originally, it was written in the Vedas: " A h a m Brahmasmi." Now the revised version is: " K a g a j a n Brahmasmi."

Now, it's not the man who moves, but his folder. He takes out the first paper. The clerk says, "Very good. Now show me the second." He takes out the second. The clerk says, "Your name on this one is different from the first one." He takes out the third. The clerk says, "The father's name isn't complete on this one." He takes out the fourth. The clerk says, "The address on this one is outdated." He takes out the fifth. The clerk says, "Where is the photocopy of this?" Only then does he understand that the largest joint family in this country is made of paper. Call one person, and the entire family appears.

He returns home. The old cupboard opens. The iron trunk opens. An envelope emerges from beneath the clothes. Another envelope from the envelope. Then polythene. Then the paper wrapped in newspaper, kept there years ago with the belief, "It will come in handy someday." Truly, papers never age in our country. People retire, but papers remain in service. The most interesting scene occurs when a man is told, "Please put your thumbprint." He puts his thumbprint. The machine thinks. Then beeps. Then says, "No." This "no" is a very small word, but a whole life is trapped within it. The hand that plowed the fields, lifted bricks, held children's fingers, the same hand the machine says, "I couldn't recognize." The man looks at his palm as if he's seeing it for the first time. He doesn't argue with the machine. Who would argue with a machine? He doesn't even argue with the clerk. After all, the clerk is working under another paper. He simply asks, "What should I bring now?" A slight pity appears on the clerk's face. Compassion is the cheapest commodity in this country. He says, "Bring some other paper." The man returns home. He begins to feel as if he is sitting in a paper boat. The river of life is deep and the winds are strong. He's not afraid of the boat sinking, but rather that if even one corner of the boat gets wet and melts, he won't be able to prove whether he swam or drowned even when he stands on the shore.

This system in our country is very short-sighted. It doesn't care about your soul, your heart, or your character. The system knows that humans are fickle creatures. Honest today, dishonest tomorrow. Alive today, thoughts can change tomorrow. That's why it stopped trusting humans long ago. His trust is now only in paper.

Today's greatest philosophy is this: you are what the file says. Your identity is not your face, but your data. If the server is running, you are a citizen, a voter, a beneficiary. And the day the server goes down, you too go down in the eyes of the system. Keep breathing, keep walking in the sun, but if "Record Not Found" flashes on the screen, understand that your existence has also been temporarily suspended.

Gujri Guru of our village has lived in this country for the last seventy years. He breathes this air. He was fully confident that he was a citizen of this country. But when he went to add his name to the voter list, the clerk asked, "Proof of identity?" He said, "Sir, I am standing in front of you." The clerk took off his glasses, looked at him, and said, "Not you, you need a document that proves it." Gujri Guru rushed home. His wife asked, "What happened?" He said, "Where is that document that shows me?"

His wife said, "You are right here." Gujri Guru sighed, "I'm home, but the government doesn't know yet." A search began at home. Finally, a file was found. It felt as if the Archaeological Department had discovered an ancient civilization. He returned to the office triumphant. The clerk looked at the paper and said, "Very good. Now attach another paper with it." Gujri Guru asked, "Why can't this one move alone?" The clerk smiled, "Even people can't move alone these days, how can a paper move?" That very day, Gujri Guru realized that paper, too, is a social creature. It needs its relatives with it. One with another, another with another, a fourth with a third. In the absence of one, the entire wedding procession returns. It seems our system discovered something very late. A person can't be satisfied with just flesh and blood. He should also have a certified copy, two self-attested copies, three passport-size photographs, and four different identification cards.

Today's common man is suffering the consequences of this lack of preparation. Now, as a precaution, I've kept all my papers in a single file. The file is in the cupboard. The cupboard key is in my pocket. Every ten minutes, my hand reaches into my pocket. My wife asks, "What are you r u m m a g i n g through?" I say, "Myself." Now, I'm not afraid I'll get lost. I'm afraid my papers might get lost before me. Because in this country, paper can survive for a few days without a person, but not even a day without a person.

Use of Temple Offerings

The theft of offerings at the Ayodhya Ram Temple has damaged trust in the Trust. This article considers the need for a concrete framework for the proper use of temple offerings, government intervention, and the propagation of Hinduism. The theft of offerings at the Ayodhya Ram Temple is shameful. The Trust's accountability for the use of donations is essential. A concrete policy for the propagation of Hinduism is demanded. The theft of offerings at the Ayodhya Ram Temple has hurt the Hindu community and eroded public trust in the temple's Trust. It is difficult to determine the exact amount of money stolen and how long it has been ongoing, but it is shameful that the donations were embezzled by the very people responsible for its maintenance. Eight people have been arrested in this case, and the Special Investigation Team (SIT) is continuing its investigation. Given the seriousness and scope of the matter, the SIT's time limit has been extended. It remains to be seen whether it can complete its investigation within the stipulated time. Since the Ram Temple was built after centuries of waiting and struggle, people from India and abroad have been visiting Ayodhya since its inauguration, and donations worth crores have been pouring in every month. The Trust has the authority to use this donation. There is no government interference in the use of donations, and there should be none. However, it must be ensured that the Trust uses it properly. Just as a trust has been established for the Ram Temple, a similar one exists for other major temples. Devotees donate crores to some temples. While government officials are also part of some temple trusts, others are entirely government-run. Governments use the donations received by such temples as they see fit. Questions have been raised repeatedly about whether temple donations are solely for the propagation of Hinduism and the welfare of Hindu society. Such questions have been raised because there have been reports that donations from many temples are being used for purposes other than the welfare of Hinduism. Generally, donations from smaller temples are spent solely on the maintenance of priests and servants, as well as on the maintenance of the temple, and organizing feasts. Does this truly achieve the goal of propagating Hinduism? Trusts for some larger temples run educational institutions, hospitals, and dharamshalas, but few have accurate data on how much donations the country's major temples receive each year and what they are used for. This is because there is no definitive system for determining which donations will be used and which will not. Undoubtedly, the donations received by temples should be used for the propagation and welfare of Hinduism, but it should also be clear how this work of propagating Hinduism should be done effectively. Does merely running Sanskrit schools or gurukuls achieve the goal of propagating Hinduism? Does displaying the grandeur of Hinduism achieve the goal of propagating religion? The question also arises: should Hinduism be propagated only among Hindus? Ironically, there is no consensus on this issue among Hindu religious leaders and those who manage temple trusts. The hallmark of Hinduism is that it is not based on any single scripture or philosophy. Hindus have the freedom to worship any deity they choose. Hindu followers have different customs and traditions, and they are free to follow them according to their beliefs. Some emphasize rituals, while others disregard their need. The very characteristics of Hinduism distinguish it from other religions and sects, but perhaps this is why no framework has been developed for how to widely propagate Hinduism. In contrast, Buddhism, considered a branch of Sanatan Dharma, was propagated in a systematic manner. As a result, today Buddhism has followers in many countries, but over time, Buddhism has come to be seen as distinct from Hinduism. Jainism and Sikhism are also branches of Sanatan Dharma. Everyone propagates their faith according to their own principles, but it's no secret that those promoting Christianity and Islam are far more organized and well-planned. That's why organizations associated with them are constantly accused of conversion. The problem with temples is that while there's government interference in the management of many large temples, followers of other faiths manage their religious sites independently, with no government interference. This is an anomaly. Hindu organizations have consistently demanded that the management of temples be handed over to the Hindu community, but along with emphasizing this demand, it's also essential to establish a concrete code for temple governance. It should also be determined how the donations received by temples will be used. It's impossible to ignore that many temples in the country receive substantial donations, but it's unclear what they're used for.

महिला के बाद जंगल में मिला बालक का शव, गला दबाकर हत्या; दोनों मामलों का कनेक्शन तलाश रही पुलिस

पाकबड़ा के मोढ़ा तैय्या जंगल में महिला की हत्या के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को बालक का भी शव मिला है। पुलिस के अनुसार उसकी गला दबाकर हत्या की गई है। आशंका है कि वह मृत महिला का बेटा है।पाकबड़ा थाना क्षेत्र के गांव सनसनी फैल गई। बुधवार को अज्ञात बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार बालक जा रही है कि मृतक का संबंध बुधवार को जंगल में एक महिला का शव मिला था। पहचान छिपाने की भी कोशिश की गई महिला की पहचान कराने और हत्यारों तक दोपहर उसी क्षेत्र में एक बालक का शव जांच में सामने आया है कि बालक की कि बच्चा, महिला का बेटा हो सकता है। का शव मिलने की सूचना पर एसपी सिटी पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण जुटाए।पुलिस आसपास के क्षेत्रों में दोनों का रिकॉर्ड खंगाल रही है। पुलिस का कहना

मोढ़ा तैय्या के जंगल में दूसरे दिन शव मिलने से महिला के बाद उसी जंगल में बालक का शव की गला दबाकर हत्या की गई है। आशंका जताई मिली महिला से हो सकता है। बुधवार सुबह उसकी गला रेतकर हत्या की गई थी। शव की थी।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पहुंचने के प्रयास शुरू कर दिए थे। इसी बीच मिलने से मामला और गंभीर हो गया।प्रारंभिक गला दबाकर हत्या की गई है। पुलिस का मानना है इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। बालक कुमार रणविजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके किया। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य शवों की पहचान कराने के साथ-साथ लापता लोगों है कि दोनों हत्याओं को जोड़कर हर पहलू से जांच की जा रही है। शवों की पहचान होने के बाद घटना के कारण और आरोपियों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है।

रसोई में रोज इस्तेमाल होने वाली इन 3 चीजों में निकली भारी मिलावट, मोबाइल लैब ने खोली दुकानदारों की पोल

मुरादाबाद में तीन माह में 602 खाद्य नमूनों की जांच की गई, जिसमें 37 में मिलावट पाई गई। सबसे अधिक मिलावट मसालों और दूध में मिली, हालांकि मोबाइल लैब की रिपोर्ट पर तत्काल कानूनी कार्रवाई नहीं होती। मिलावटखोरी की रोकथाम के रहा है। फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स (एफएसडब्ल्यू) स्पाट जांच की। जिसमें 437 नमूने मानकों के अनुरूप ने व्यापारियों को चेतावनी दे दी है। मोबाइल वैन से आपके नमूने में क्या मिलाया गया है। विभागीय विभिन्न क्षेत्रों में मोबाइल लैब के माध्यम से 602 इनमें 437 नमूने मानकों के अनुरूप मिले, जबकि मसालों और दूध में सामने आई। 37 मिलावटी मसालों तथा 13 दूध के नमूने शामिल हैं। ये ऐसे उपयोग होता है। ऐसे में इनकी गुणवत्ता पर सवाल है।हालांकि, मोबाइल लैब की रिपोर्ट के आधार पर है और न ही कोई कानूनी कार्रवाई होती है। विभागीय

लिए नमूने लेने के साथ व्यापारियों को जागरूक किया जा मोबाइल लैब से 602 खाद्य पदार्थों के नमूनों की आन-द-मिले और 37 नमूने फेल हो गए। विभागीय अधिकारियों लोगों को जागरूक करने के साथ ही उन्हें यह बताना है कि आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 30 जून तक जिले के खाद्य पदार्थों के नमूनों की आन-द-स्पाट जांच की गई। 37 नमूने फेल हो गए।जांच में सबसे अधिक मिलावट नमूनों में 12 चटनी, 12 लाल मिर्च, हल्दी सहित अन्य खाद्य पदार्थ हैं, जिनका आम लोगों की रसोई में रोजाना उठना उपभोक्ताओं की सेहत के लिए चिंता का विषय संबंधित दुकानदारों के खिलाफ न तो चालान किया जाता अधिकारियों का कहना है कि एफएसडब्ल्यू वाहन का उद्देश्य लोगों और खाद्य कारोबारियों को जागरूक करना है। मौके पर यदि किसी नमूने में मिलावट या गुणवत्ता संबंधी कमी मिलती है तो संबंधित दुकानदार को इसकी जानकारी देकर सुधार करने की सलाह दी जाती है। खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जागरूकता जरूरी है, लेकिन यदि बार-बार मिलावट सामने आने के बाद भी कार्रवाई न हो तो इसका गलत संदेश जाता है। इससे मिलावट करने वालों में कार्रवाई का डर भी नहीं बन पाता। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि जांच में मिलावट साबित हो रही है तो संबंधित प्रतिष्ठानों के नियमित नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण कराया जाए और दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। इससे बाजार में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। यह है नियम- फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स (एफएसडब्ल्यू) मोबाइल लैब का उद्देश्य मुख्य रूप से जागरूकता और त्वरित स्क्रीनिंग है। मोबाइल लैब में होने वाली जांच स्क्रीनिंग टेस्ट होती है, इसे अंतिम कानूनी साक्ष्य नहीं माना जाता। यदि स्क्रीनिंग में मिलावट या गुणवत्ता में कमी का संकेत मिलता है, तो खाद्य सुरक्षा अधिकारी को संदेह के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट-2006) तथा फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड रुल्स 2011 के तहत विधिवत नमूना लेना होता है। यह नमूना निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सील कर राज्य की अधिसूचित खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाता है। प्रयोगशाला की रिपोर्ट ही कानूनी रूप से मान्य होती है। इसी रिपोर्ट के आधार पर जुर्माना, लाइसेंस संबंधी कार्रवाई या अभियोजन किया जाता है।फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स (एफएसडब्ल्यू) मोबाइल लैब का उद्देश्य मुख्य रूप से जागरूकता और त्वरित स्क्रीनिंग है। इसके माध्यम से हमारी टीम स्पाट पर जांच करके लोगों को जागरूक कर रही है। उन्हें चेतावनी दी जाती है। तीन माह में 602 नमूनों की आन-द-स्पाट जांच में 437 सही और 37 में मिलावट की पुष्टि हुई। जागरूकता अभियान निरंतर जारी रहता है।- राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त खाद्य ग्रेड टू

अमरनाथ यात्रा शुरू होते ही भक्तों को लगा बड़ा झटका, सिर्फ 5 दिन में ही अंतर्ध्यान हुए बाबा बर्फानी

अमरनाथ यात्रा के पांचवें दिन ही बाबा बर्फानी अंतर्ध्यान हो गए, जिससे मुरादाबाद के कई श्रद्धालुओं को दर्शन नहीं मिल पाए। बढ़ते तापमान के कारण हिमलिंग के जल्दी पिघलने से भक्तों में मायूसी है, पर आस्था कायम है।किसी ने बाबा बर्फानी से गए जत्थों में से कुछ को ही नसीब हुए दर्शन, बाकी के उठा। जिन पैरों में छालों की परवाह किए बिना बाबा को तैयार हैं। तीन जुलाई से शुरू हुई पवित्र अमरनाथ बर्फानी अंतर्ध्यान (लुप्त) हो गए। मौसम की बेरुखी आगोश में ले लिया, जिसे देखने के लिए देश भर से श्रद्धालु इस 57 दिवसीय यात्रा के लिए रवाना हुए थे, की मुराद अधूरी छोड़ दी।यह वही पवित्र यात्रा है साल 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद जवानों की सुरक्षा के बीच मानसरोवर कालोनी और दाऊ दयाल खन्ना नगर के वाला शिवलिंग कोई साधारण बर्फ नहीं, बल्कि विज्ञान छत से टपकने वाली बूंदें जब जमा देने वाली ठंड में भव्य शिवलिंग का आकार ले लेती हैं। इस बार खराब संरचना तेजी से पिघल गई। श्रद्धालुओं की किस्मत

मिलाई अंखियां तो किसी के हिस्से यादें आई, मुरादाबाद से हिस्से मायूसीश्रद्धा का सैलाब चेहरे पर मायूसी बनकर छलक बर्फानी के दीदार की बेताबी थी, वे आज भारी मन से आने यात्रा को अभी पांच दिन ही बीते थे कि सात जुलाई को बाबा और बढ़ते तापमान ने उस अलौकिक हिमलिंग को अपनी लाखों भक्त महीनों तैयारी करते हैं। शहर से भी बड़ी संख्या में लेकिन जलवायु परिवर्तन की इस कड़वी मार ने कई भक्तों जिसके लिए श्रद्धालु हर डर को पीछे छोड़ देते हैं। पिछले हमले का खौफ भी भक्तों के कदम नहीं डिगा सका था। मुरादाबाद के चौरासी घंटा, पुराना दसवां घाट, सिविल लाइंस, श्रद्धालु निडर होकर रवाना हुए थे।अमरनाथ गुफा में बनने की भाषा में एक प्राकृतिक %आइस स्टैलग्माइट% है। गुफा की नीचे गिरती हैं, तो धीरे धीरे जमीन से ऊपर की ओर एक मौसम और लगातार बढ़ते तापमान के कारण यह प्राकृतिक भी दो हिस्सों में बंट गई।दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी% के अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता अपने साथी अधिवक्ता पुष्प यादव व अन्य सहयोगियों के साथ बालटाल मार्ग से समय रहते गुफा तक पहुंचने में सफल रहे। उन्होंने बेहद भावुक होकर बाबा के उस अंतिम एक फीट के स्वरूप के दर्शन किए और खुद को धन्य माना।दूसरी ओर, सिविल लाइंस और शहर के अन्य इलाकों से निकले कई जत्थे जब तक दुर्गम रास्तों को पार कर गुफा के करीब पहुंचे, तब तक बाबा अंतर्ध्यान हो चुके थे। कड़कड़ाती ठंड और पहाड़ों की चढ़ाई पार करने के बाद खाली गुफा को देखना इन श्रद्धालुओं के लिए किसी बड़े सदमे से कम नहीं था। भक्त मायूस हैं, पर उनका कहना है कि बाबा का बुलावा शायद अगली बार फिर आएगा। यह त्रासदी साफ इशारा करती है कि इंसानी गलतियों से बदल रहा पर्यावरण अब हमारी सदियों पुरानी आस्थाओं को भी हमसे छीन रहा है।

संभल के बाद मुरादाबाद में बड़ा एक्शन, 101 लोगों के पट्टे निरस्त; 55 हेक्टेयर भूमि पर संशय

संभल के बाद अब मुरादाबाद प्रशासन ने एतहातपुर माली गांव में सरकारी भूमि पर दिए गए 101 पट्टों को निरस्त कर दिया है। यह कार्रवाई अभिलेखों की जांच के बाद की गई है, जबकि 55 हेक्टेयर भूमि का मामला अभी भी जिलाधिकारी न्यायालय में विचाराधीन अब मुरादाबाद प्रशासन ने भी बड़ा कदम उठाया है। जिले के मामले में 101 लोगों के पट्टे निरस्त कर दिए गए हैं। प्रशासन की है। जानकारी के अनुसार, एतहातपुर माली गांव में कुल 93 हेक्टेयर वर्ष 1965 और 1985 में पट्टे आवंटित किए गए थे।प्रशासन द्वारा बाद इन पट्टों को निरस्त करने की कार्रवाई की गई है। बताया जा अभी भी न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में है। करीब 55 हेक्टेयर भूमि (डीएम) न्यायालय में विचाराधीन है। ऐसे में इस हिस्से पर अंतिम जाएगा। डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने बताया कि सरकारी भूमि की

है। संभल में सरकारी भूमि पर कार्रवाई के बाद एतहातपुर माली गांव में सरकारी भूमि से जुड़े इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हलचल तेज हो गई भूमि का मामला सामने आया है। इस भूमि पर अभिलेखों और राजस्व रिकार्ड की जांच के रहा है कि संबंधित भूमि का एक बड़ा हिस्सा से जुड़ा मामला वर्तमान में जिलाधिकारी निर्णय डीएम कोर्ट के आदेश के बाद ही लिया सुरक्षा और राजस्व अभिलेखों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिन मामलों में अनियमितता या नियमों के विपरीत पट्टे दिए जाने की पुष्टि होगी, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी के नाम पर 15 लाख की ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार

थाना मिलक पुलिस ने साइबर सेल टीम के सहयोग से 15 लाख रुपयों की ठगी करने वाले बरेली निवासी दो साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 7 मोबाइल, 9 एटीएम, चैक बुक, पासबुक, सिमकार्ड सहित अन्य सामान बरामद किया है। मामले पुलिस अधीक्षक रामपुर सोमेंद्र मीना ने पुलिस लाइन स्थित सभागार में प्रेसवार्ता करते हुए खुलासा किया। पुलिस अधीक्षक रामपुर ने बताया कि आरोपी विकास गंगवार निवासी ग्राम गुलड़िया थाना शीशगढ़ बरेली और राजीव निवासी ग्राम बीसलपुर थाना शीशगढ़ बरेली नौकरी के नाम पर ऑनलाइन माध्यम से 15 लाख रुपये की ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है। दोनों साइबर ठगों को 7 मोबाइल, 9 एटीएम कार्ड, एक बैंक पासबुक, एक बैंक बुक, सिम कार्ड के साथ ग्राम खुटिया के पास से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना मिलक पर संबंधित मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी बेवसाइट https://www.hipsjobs.com/home व बेवसाइट https://www.careerjobplacement.com/ से लोगों को जॉब देने का झांसा देकर उनसे उनका सीवी मंगाते थे। फोन आदि का प्रयोग कर उनका इंटरव्यू लेते हैं तथा डोक्यूमेंट वेरीफिकेशन के नाम पर उनसे रुपये खाते में डलवाकर साइबर धोखाधड़ी करते हैं। इनके खिलाफ समन्वय पोर्टल पर शिकायत आठ शिकायतें दर्ज हैं। आरोपी विकास गंगवार से 2 मोबाइल फोन, 4 एटीएम कार्ड, 1 अदद बैंक पासबुक, 1 चेकबुक और राजीव के पासे 5 मोबाइल फोन, 5 एटीएम कार्ड व एक सिम कार्ड बरामद हुए हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक मनीराम सिंह, उपनिरीक्षक दिर्धांशु शर्मा व शैलेन्द्र प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल देवेंद्रपाल सिंह, कांस्टेबल शक्ति सिंह, सावेज व अन्य कर्मी शामिल रहे।

रोडवेज बस व ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर, किशोरी की मौत.. कईं बच्चों सहित 16 घायल

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के अंतर्गत दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर गुरुवार सुबह करीब साढ़े 4 बजे रोडवेज बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर ड्डहो गई। सड़क हादसे में ट्रॉली में सवार 13 वर्षीय

सातवीं की छात्रा प्रियंका की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि कईं बच्चों और महिलाओं सहित सहित 16 लोग ज़ख्मी हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। वहीं मृतक छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित मोर्चरी भेज दियाहै। मृतक छात्रा प्रियंका सहित सभी घायल मुरादाबाद जिले के थाना मुंडापांडे क्षेत्र के हसनगंज बेलबाड़ी के माजरा के रहने वाले हैं। सभी लोग ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार होकर रामपुर जिले के पसियापुर गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल हुए और भात देकर गुरुवार सुबह अपने गांव लौट रहे थे। सुबह करीब साढ़े 4 बजे दर्दनाक हादसा हो गया। घायलों के अनुसार बरेली की ओर से आ रही रोडवेज बस ने पीछे से ट्रैक्टर ट्रॉली में टक्कर मारी, जिसके बाद अफरातफरी मच गई। वहीं मृतक छात्रा प्रियंका के पिता वीर सिंह तीन बच्चे 14 वर्षीय बेटा, 8 वर्षीय बेटी भी कार्यक्रम में शामिल हुए थे। थाना प्रभारी ओंकार सिंह ने बताया कि हादसे के बाद छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटवा दिया है। बस के यात्रियों को दूसरी बस में बैठा दिया गया था। कोई बस यात्री चोटिल नहीं हुआ।ये हुए घायल- छात्रवती (33), फूलवती (50), भगवती (45), जमुना देवी (33), राधेश्याम (40), तुलसा (35), आकाशवती (35), अनारकली (40), विवेक (13), अंशु (3), पिंटू (32), ट्रैक्टर चालक, सुशीला (40), हंसिया (40), राजेश (11) और पप्पू (18) सहित अन्य घायल हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बारिश से बहे दावे: स्मार्ट सिटी की सड़कों पर जलभराव,बच्चों ने नाव चलाकर जताया विरोध

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मानसून ने दस्तक दी तो स्मार्ट सिटी के दावे हवा हो गए। बुधवार को हुई पहली तेज बारिश में शहर के निचले इलाकों से लेकर पॉश कॉलोनियों तक लोग जलभराव से जूझते रहे। सड़कों पर दो फुट तक पानी भरने से यातायात ठप हो गया। राहगीरों को घंटों जाम से जूझना पड़ा। कई वाहन बीच सड़क पर ही बंद हो गए। इस बीच मौका पाकर सिकलापुर में बच्चों ने पानी में थर्माकोल की नाव चलाई, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बारिश से पहले नाला सफाई के बड़े बड़े दावे किए गए, लेकिन हकीकत में सिर्फ ऊपर से ही उनकी सफाई की गई। तली में सिल्ट पटी होने के कारण पहली ही बारिश में नाले ओवरफ्लो हो गए। उनका गंदा पानी सड़कों के साथ-साथ कॉलोनियों व लोगों के घरों में घुस गया। लाला लाजपत राय मार्केट, सुभाषनगर पुलिया, मॉडल टाउन, मढ़ीनाथ, बदायूं रोड स्थित शांति विहार कॉलोनी और हजियापुर जैसे इलाकों में जलभराव रहा।

परसाखेड़ा में बनेगी सात किलोमीटर सड़क

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। परसाखेड़ा आवासीय योजना में 10 करोड़ रुपये से सात किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क का निर्माण कराया जाएगा। 45 मीटर चौड़ी इस सड़क के लिए टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। यह महत्वाकांक्षी आवासीय योजना कुल 522 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में तैयार की जा रही है, जिसमें आवासीय, व्यावसायिक और पार्क के लिए अलग-अलग भूमि निर्धारित की गई है। मुख्य सड़क के निर्माण के लिए पांच-पांच करोड़ रुपये के दो अलग-अलग टेंडर निकाले हैं। सेक्टर चार में अलग-अलग चौड़ाई की सड़कें बनाई जाएंगी। इसमें सबसे प्रमुख 45 मीटर चौड़ी सड़क होगी, जिसकी लंबाई 1.5 किलोमीटर निर्धारित की गई है। इसके अलावा, क्षेत्र में 30 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण कराया जाएगा, जो सबसे लंबी यानी 3.5 किलोमीटर की होगी।

आंतरिक कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए 24 मीटर चौड़ी सड़क भी बनाई जाएगी, जिसकी कुल लंबाई 1.8 किलोमीटर होगी। यह सभी सड़कें मुख्य मार्ग को आपस में जोड़ेंगी।अधिशासी अभियंता राजेंद्रनाथ राम ने बताया कि सड़क बनने के बाद सर्विस लेन और नालियों का निर्माण कराया जाएगा।

ट्यूलिया गांव की भूमि पर बनेगा मुख्य मार्ग- परसाखेड़ा आवासीय योजना का मुख्य मार्ग ट्यूलिया गांव की भूमि पर बनाया जाना तय हुआ है। इस प्राइम लैंड पर मुख्य मार्ग का निर्माण होने से न सिर्फ आवासीय योजना को बेहतर और चौड़ा रास्ता मिलेगा, बल्कि आसपास के ग्रामीण इलाकों की तस्वीर भी बदल जाएगी। जमीन का निर्धारण होने के बाद विभाग ने टेंडर प्रक्रिया को तेज कर दिया है ताकि बिना किसी बाधा के समय पर निर्माण शुरू कराया जा सके।

नींद की एक झपकी बनी हादसे की वजह, बरेली हाईवे पर पलटी स्लीपर बस, 50 से अधिक यात्री हुए घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली दिल्ली से पीलीभीत के पूरनपुर जा रही एक निजी स्लीपर बस गुरुवार तड़के बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र में अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे पलट गई। हादसे में बस में सवार 50 से अधिक यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस, हाईवे पेट्रोलिंग टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। सभी घायलों को जिला अस्पताल, निजी अस्पतालों और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। राहत की बात यह रही कि किसी भी यात्री की हालत गंभीर नहीं बताई गई है। जानकारी के अनुसार हादसा गुरुवार सुबह करीब चार बजे परधौली गांव के पास हुआ। प्रारंभिक जांच में चालक को झपकी आने के कारण बस का संतुलन बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है। तेज रफ्तार बस अचानक सड़क किनारे पलट गई। हादसे के समय अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे, जिससे उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिल सका। बस पलटते ही महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की चीख-पुकार से पूरा इलाका गूंज उठा। कई यात्री सीटों और सामान के बीच फंस गए। आसपास के ग्रामीण सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे और बस के शीशे तोड़कर यात्रियों को बाहर निकालना शुरू किया। इसके बाद पुलिस और एंबुलेंस की टीम ने राहत कार्य संभालते हुए सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद कुछ समय तक हाईवे पर यातायात बाधित रहा। पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त बस को हटवाकर सड़क पर यातायात सुचारु कराया। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। चिकित्सकों के अनुसार अधिकांश यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि कुछ के हाथ, पैर और सिर में चोट लगी है। सभी घायलों की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने बस को अपने कब्जे में लेकर चालक और परिचालक से पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही बस की तकनीकी स्थिति, चालक की लापरवाही और अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि लंबी दूरी की यात्रा से पहले पर्याप्त आराम अवश्य करें। नींद या अत्यधिक थकान की स्थिति में वाहन चलाना गंभीर हादसों का कारण बन सकता है। समय रहते सावधानी बरतकर इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है।

बरेली बार एसोसिएशन परिसर में हुआ शुद्ध पेयजल प्लांट का लोकार्पण

एमएलसी बहोरनलाल मौर्य का बार एसोसिएशन ने जताया आभार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली बार एसोसिएशन परिसर में अधिवक्ताओं एवं वादकारियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित वाटर प्लांट का विधिवत शुभारंभ एवं लोकार्पण सदस्य विधान परिषद बहोरनलाल मौर्य के करकमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर बरेली बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार हरित एवं सचिव दीपक पांडे ने बार एसोसिएशन परिवार की ओर से सदस्य विधान परिषद बहोरनलाल मौर्य का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पेयजल प्लांट अधिवक्ताओं, न्यायिक कार्य से जुड़े लोगों एवं आम नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा उपस्थित लोगों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए उपयोगी कदम बताया।

लोकार्पण समारोह के दौरान अनेक गणमान्य लोग एवं पत्रकार भी उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से वरिष्ठ पत्रकार लिटिल गुप्ता, वर्षा वार्ष्णेय, इस्लाम अंसारी, शिवम तोमर, नमन दुबे, नागेंद्र गंगवार, सुमित कश्यप एवं शिवम पाठक सहित अन्य सम्मानित अतिथियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नही- डॉ. अरुण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जीएसटी से जुड़े मामलों में व्यापारियों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छोटी-छोटी त्रुटियों को आधार बनाकर व्यापारियों को परेशान न किया जाए और करदाताओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। यह निर्देश प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में आयोजित राज्य कर विभाग एवं व्यापारी संगठनों के संवाद कार्यक्रम में अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि व्यापारी प्रदेश के राजस्व में सबसे बड़ा योगदान देते हैं, इसलिए उनके सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य राजेंद्र गुप्ता के संयोजन में आयोजित संवाद कार्यक्रम में राज्य कर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न व्यापार मंडलों और औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने जीएसटी व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं खुलकर उठाईं।

राजेंद्र गुप्ता ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार व्यापारी हितों के प्रति संवेदनशील हैं, लेकिन विभागीय स्तर की कुछ खामियों के कारण अधिकारियों और व्यापारियों के बीच अविश्वास की स्थिति बन जाती है।

समय पर रिफंड नहीं मिलने से व्यापारियों की कार्यशील पूंजी प्रभावित होती है। सुरेंद्र रस्तोगी और सतीश अग्रवाल ने भी इस समस्या का समर्थन किया।

बैठक में सुदेश अग्रवाल, एसके सिंह, उन्मुक्त संभव शील, सतीश अग्रवाल, शेखर अग्रवाल, गुरप्रीत सिंह, ज्वाइंट कमिश्नर केके गुप्ता, विजय कुमार गौड़, डिप्टी कमिश्नर प्रशासन सुभेश तिवारी, डीके सिंह, असिस्टेंट कमिश्नर नित्यानंद तिवारी, योगेश कुमार आदि मौजूद रहे।।

भैंस चराने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, लाठी-डंडों के बाद फायरिंग का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । सीबीगंज थाना क्षेत्र के सराय गांव में गुरुवार सुबह भैंस चराने को लेकर दो पक्षों के बीच शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले, जबकि पीड़ित पक्ष ने फायरिंग किए जाने का भी आरोप लगाया है। घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही सीबीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित कर मामले की जांच शुरू कर दी। घटना के बाद गांव में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल रहा, हालांकि पुलिस की मौजूदगी से स्थिति सामान्य हो गई।

जानकारी के अनुसार पीड़ित पक्ष अपने खेत के पास भैंस चरा रहा था। इसी दौरान दूसरे पक्ष के चीकू, भीम सिंह, अर्जुन और पिंटू वहां पहुंचे और भैंस चराने का विरोध करने लगे। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि विपक्षी पक्ष ने पहले लाठी-डंडों से हमला किया और बाद में फायरिंग भी की। इस हमले में रवि यादव, क्रांति और श्यामवती घायल हो गए।

घटना के दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने बीच-बचाव करते हुए घायलों को हमलावरों से बचाया और तत्काल एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार घायलों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है।

घायलों के परिजनों का आरोप है कि दोनों पक्षों के बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुका है और इसकी शिकायत पुलिस से की गई थी। उनका कहना है कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण आरोपियों के हौसले बढ़ गए। परिजनों ने आरोप लगाया कि घटना के बाद पूरा परिवार दहशत में है तथा उन्हें आरोपियों से जान का खतरा बना हुआ है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

घटना की सूचना मिलते ही सीबीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि फायरिंग हुई थी या नहीं तथा विवाद की वास्तविक वजह क्या थी।

सीबीगंज थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह ने बताया कि सुबह दो पक्षों के बीच मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें तीन लोग घायल हुए हैं। पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन कर दिया गया है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की निगरानी भी बढ़ा दी गई है।

पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर दोषियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को मिलेगा निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण : 20 जुलाई तक करें आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पिछड़ा वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए अच्छी खबर है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने ओ-लेवल एवं छ्छ्छ कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 जुलाई से बढ़ाकर 20 जुलाई 2026 कर दी है। इच्छुक अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत इंटरमीडिएट उत्तीर्ण, 35 वर्ष तक आयु तथा वार्षिक पारिवारिक आय एक लाख रुपये तक वाले अभ्यर्थी पात्र होंगे। चयनित अभ्यर्थियों को ओ-लेवल का एक वर्षीय तथा छ्छ्छ का तीन माह का निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन के बाद अभ्यर्थियों को आवश्यक प्रमाण-पत्रों सहित आवेदन की हार्ड कॉपी 21 जुलाई 2026 की शाम 5 बजे तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, बरेली में जमा करनी होगी। निर्धारित समय के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

बरसात का सिलसिला जारी, 24 घंटे में 31 एमएम दर्ज, दो दिन मौसम का ऑरेंज अलर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जनपद में मानसून की सक्रियता बढ़ने से मंगलवार रात से जारी बारिश का दौर रुक-रुककर बुधवार को दिनभर जारी रहा। देर शाम घने बादल छाए और घंटे भर झमाझम बारिश से लोग तरबतर हुए। बृहस्पतिवार को सुबह से बादल छाए रहे। रुक-रुककर बारिश का क्रम जारी है। बीते 24 घंटे में 31.4 एमएम (मिलीमीटर) बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने दो दिन बारिश का ऑरेंज अलर्ट और फिर बादल मंडराने का अनुमान जताया है। बीते दिवस सुबह और दोपहर में धूप निकली पर हवा में नमी की अधिकता से तपिश का अहसास हुआ। वहीं शाम छह बजे के बाद फिर बादल घिरे और करीब घंटे भर तेज बारिश हुई। रात में भी रिमझिम का सिलसिला जारी रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 26.5 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार शाम चार बजे तक शहर में 12.6 एमएम बारिश दर्ज की गई। जिले के स्टेशनवार बारिश के आंकड़ों के अनुसार शाम चार बजे तक बीते 24 घंटे में बहेड़ी में 28 एमएम, आंवला में 21.4 एमएम, फरीदपुर में 14 एमएम, नवाबगंज में पांच एमएम, मीरगंज में 2.5 एमएम बारिश हुई। जिन इलाकों में अनुकूल माहौल बनेगा, वहां गरज के साथ बारिश हो सकती है। तेज हवा चलने की संभावना भी जताई गई है। पहली तेज बारिश में शहर के निचले इलाकों से लेकर पॉश कॉलोनियों तक लोग जलभराव से जूझते रहे। सड़कों पर दो फुट तक पानी भरने से यातायात ठप हो गया। राहगीरों को घंटों जाम से जूझना पड़ा। कई वाहन बीच सड़क पर ही बंद हो गए। इस बीच मौका पाकर सिकलापुर में बच्चों ने पानी में थर्माकोल की नाव चलाई, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बारिश से पहले नाला सफाई के बड़े बड़े दावे किए गए, लेकिन हकीकत में सिर्फ ऊपर से ही उनकी सफाई की गई।

चार दिन रहेगा रास्ता बंद! सुभाषनगर अंधी पुलिया नाला सफाई के चलते ट्रैफिक डायवर्जन लागू

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सुभाषनगर अंधी पुलिया नाले की सफाई के चलते 10 जुलाई से 13 जुलाई 2026 तक यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। यातायात पुलिस ने आमजन की सुविधा और सुरक्षित आवागमन के लिए डायवर्जन प्लान जारी किया है। जारी एडवाइजरी के अनुसार 10 जुलाई सुबह 7 बजे से 13 जुलाई रात 8 बजे तक अंधी पुलिया मार्ग से सुभाषनगर की ओर जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। डायवर्जन व्यवस्था इस प्रकार रहेगी- सुभाषनगर से शहर की ओर आने वाले वाहन वाजपेयी ढाल, सुभाषनगर चुंगी, बदायूं रोड होते हुए चौपला पुल से अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। जंक्शन तिराहा और कचहरी की ओर से सुभाषनगर जाने वाले वाहन थाना सुभाषनगर के सामने मॉल रोड होते हुए चौपला पुल के रास्ते जाएंगे। यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि असुविधा से बचने के लिए अंधी पुलिया मार्ग के बजाय वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

मनोंना धाम महंत को धमकी देने वाला हिस्ट्रीशीटर महाराष्ट्र से गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। आंवला पुलिस ने मनौना धाम मंदिर के महंत ओमेंद्र चौहान के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र और धमकीपूर्ण वीडियो वायरल करने के मामले में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर रोहित यादव उर्फ पप्पू को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह थाना आंवला का हिस्ट्रीशीटर भी है। पुलिस के अनुसार, 10 जून को मनौना निवासी मोहित पाठक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान साक्ष्य मिलने पर मामले में गंभीर धाराएं बढ़ाई गईं। गिरफ्तारी के लिए आंवला पुलिस की टीम महाराष्ट्र रवाना हुई, जहां सर्विलांस की मदद से आरोपी को एक मशरूम फैक्ट्री से गिरफ्तार किया गया। पुणे की अदालत से ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद पुलिस आरोपी को सकुशल आंवला लेकर पहुंची। आरोपी के विरुद्ध हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर मामलों में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब उससे पूछताछ कर आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

विशेष पिछड़ी पंडो जनजाति के ग्रामीण गंभीर त्वचा रोग से जूझ रहे, स्वास्थ्य शिविर और मच्छरदानी वितरण की उठी मांग

अन्तिकापुर में रामलल्लू पंडो की बीमारी ने उजागर की दूरस्थ वनांचल की स्वास्थ्य चुनौतियां, बरसात में विशेष अभियान चलाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर/सूरजपुर। सूरजपुर जिले के दूरस्थ एवं पहाड़ी क्षेत्र चांदनी बिहारपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत अन्तिकापुर में रहने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) पंडो समुदाय के 50 वर्षीय रामलल्लू पंडो लंबे समय से गंभीर त्वचा संबंधी बीमारी से पीड़ित हैं। उनके हाथ-पैरों पर घाव, सूजन और संक्रमण जैसी समस्या दिखाई दे रही है, जिससे उन्हें चलने-फिरने और दैनिक जीवन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनकी स्थिति ने एक बार फिर दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और पहुंच पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों के अनुसार आर्थिक स्थिति कमजोर होने और समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने के कारण मरीज का समुचित इलाज नहीं हो पा रहा है। क्षेत्र के कई अन्य ग्रामीण भी विभिन्न मौसमी एवं त्वचा संबंधी बीमारियों से प्रभावित हैं, लेकिन नियमित स्वास्थ्य जांच और उपचार की व्यवस्था नहीं होने से उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत अन्तिकापुर के उपसरपंच तुलसी जायसवाल ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि गांव में तत्काल विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर सभी पंडो जनजाति परिवारों की स्वास्थ्य जांच कराई जाए तथा जरूरतमंद मरीजों का नि:शुल्क उपचार और दवा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि केवल एक मरीज का इलाज पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि पूरे पंडो समुदाय

की स्वास्थ्य जांच कर बीमार लोगों की पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में लगभग 8,000 से अधिक पंडो जनजाति परिवार निवास करते हैं। बरसात शुरू होते ही बिहारपुर क्षेत्र के अधिकांश गांवों में मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ गया है, जिससे मलेरिया, डेंगू, वायरल बुखार, सर्दी-खांसी, निमोनिया तथा अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग को सभी ग्राम पंचायतों में विशेष स्वास्थ्य अभियान चलाकर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच, मलेरिया जांच, आवश्यक रक्त परीक्षण, दवा वितरण एवं उपचार की व्यवस्था करनी चाहिए। ग्रामीणों ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में पंडो एवं अन्य आदिवासी परिवारों को मच्छरदानियों का वितरण किया गया था। इसके बाद से अब तक क्षेत्र में दोबारा मच्छरदानी का वितरण नहीं किया गया है। बरसात के मौसम में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए ग्रामीणों ने सभी आदिवासी एवं विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को तत्काल मच्छरदानी उपलब्ध कराने की मांग की है। उपसरपंच तुलसी जायसवाल ने कहा कि चांदनी बिहारपुर क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर सभी ग्रामीणों की जांच, आवश्यक उपचार, दवा वितरण और विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों, बुजुर्गों एवं गंभीर मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर मच्छरदानी का वितरण किया जाना चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष अभियान नहीं चलाया गया तो बरसात के दौरान मच्छरजनित एवं मौसमी बीमारियों का खतरा और बढ़ सकता है। ग्रामीणों ने सूरजपुर कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मांग की है कि चांदनी बिहारपुर क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर स्वास्थ्य जांच, उपचार, दवा वितरण, मलेरिया जांच तथा सभी पात्र आदिवासी परिवारों को शीघ्र मच्छरदानी उपलब्ध कराई जाए, ताकि दूरस्थ वनांचल के हजारों लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

न्यूरिया पीलीभीत थाना न्यूरिया क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा, ट्रैक्टर-बाइक की टक्कर में एक की मौत, एक गंभीर घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम/ जनपद पीलीभीत के थाना न्यूरिया क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कल्लियाँ और हरकिसनापुर के बीच नहर किनारे स्थित सड़क पर ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

♦ मृतक मेहेंद्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे में ग्राम पंडरी निवासी महेंद्र (38) पुत्र राम भरोसे की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं मोटरसाइकिल चला रहे लवीस पुत्र सुखवीर, निवासी ग्राम पंडरी, गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दिगंबर सिंह और हल्का प्रभारी अरविन्द कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक केंद्र न्यूरिया भिजवाया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी दिगंबर सिंह ने बताया कि दुर्घटना के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है तथा मामले में अग्रिम कार्रवाई जारी है।

हमारी गली में भरा है पानी, हमको हो रही परेशानी, न खेल पा रहे हैं और न जा पा रहे स्कूल

बच्चों का कहना है कि जलभराव के कारण उन्हें स्कूल जाने और खेलने में दिक्कत हो रही है। मच्छरों से हो रही परेशानी का भी बच्चों ने जिक्र किया है। उन्होंने डीएम से टूटी सड़क बनवाने की मांग की है।अलीगढ़ शहर के नगला महताब के बच्चों ने डीएम से बारिश के बाद गली में हुए जलभराव की शिकायत की है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में बच्चे डीएम अंकल हमारी गली में भरा है पानी, हमको हो रही परेशानी कहते हुए नजर आ रहे हैं।यह वीडियो स्थानीय लोगों द्वारा साझा किया जा रहा है, जिससे प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित हो सके। बच्चों का कहना है कि जलभराव के कारण उन्हें स्कूल जाने और खेलने में दिक्कत हो रही है। मच्छरों से हो रही परेशानी का भी बच्चों ने जिक्र किया है। उन्होंने डीएम से टूटी सड़क बनवाने की मांग की है

कानपुर में बोलीं राज्यपाल- सिर्फ कॉलेज भेजना काफी नहीं, नजर रखें बच्चे क्या कर रहे हैं.

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के 41वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जल संरक्षण के साथ शिक्षा, संस्कार और सामाजिक मूल्यों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि केवल बच्चों को कॉलेज भेजकर पूरी न समझें, देखें कि वे वहां हैं।प्रदेश की कुलाधिपति ने मंच से

अभिभावक स्कूल और अपनी जिम्मेदारी बल्कि यह भी क्या कर रहे राज्यपाल और आनंदीबेन पटेल विश्वविद्यालयों और छात्रावासों की एक कड़वी सच्चाई सामने रख दी। विवि के वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई सभागार में आयोजित इस भव्य समारोह में राज्यपाल ने न केवल गिरते सामाजिक स्तर पर चिंता जताई, बल्कि अभिभावकों को बच्चों पर सख्त निगरानी रखने की बड़ी नसीहत भी दे डाली। सिर्फ कॉलेज भेजना काफी नहीं, नजर रखें- दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सीधे तौर पर माता-पिता और अभिभावकों की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आज के दौर में माता-पिता यह मान लेते हैं कि बच्चों को अच्छे स्कूल या कॉलेज में दाखिला दिला देना ही उनकी आखिरी जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने टोकते हुए कहा,जब आप बच्चों को स्कूल-कॉलेज भेजते हैं, तो यह ध्यान भी रखें कि वे वहां जाकर क्या कर रहे हैं। आपकी थोड़ी सी लापरवाही बच्चों का भविष्य अंधकार में डाल सकती है।टिफिन में आ रहा था ड्रग्स, हॉस्टलों के बाहर मिलीं शराब की बोतलें- अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल ने विवि के हॉस्टलों में पैर पसार रहे नशे के काले कारोबार का एक सनसनीखेज खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उनकी एक विशेष टीम प्रदेश के विश्वविद्यालयों में जाकर छात्रावासों की जमीनी स्थिति का लगातार निरीक्षण कर रही है। एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, एक विश्वविद्यालय के छात्रावास के ठीक बाहर शराब की बोतलें बिखरी पड़ी मिलीं।इतना ही नहीं, जब गहराई से जांच की गई तो पता चला कि बाहर से छात्रों के लिए जो खाना मंगाया जाता था, उन टिफिन के डिब्बों में छिपाकर ड्रग्स की सप्लाई की जा रही थी। राज्यपाल ने बताया कि इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए प्रशासन के जरिए तुरंत इस नेटवर्क को रुकवाया गया। समाज और शिक्षा के गिरते स्तर पर जताई गहरी चिंता- राज्यपाल ने देश में बढ़ रहे अपराधों और पारिवारिक कलह को सीधे तौर पर आज की शिक्षा व्यवस्था और संस्कारों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि आज समाज किस ओर जा रहा है, यह सोचने का विषय है। पति-पत्नी के बीच हिंसक झगड़े हो रहे हैं और मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म जैसी हैवानियत की खबरें आ रही हैं। राज्यपाल ने दो टूक शब्दों में कहा कि अगर डिग्रियां लेने के बाद भी समाज में ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो यह हमारी शिक्षा के वास्तविक स्तर को दर्शाता है। केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि नैतिक संस्कार ही असली शिक्षा है।छात्राओं को दी खास सीख और जल संरक्षण का संदेश- दीक्षांत समारोह में मौजूद मेधावी छात्राओं को जीवन का मंत्र देते हुए राज्यपाल ने कहा कि घर और समाज में शांति बनाए रखने के लिए संस्कारों का होना जरूरी है। उन्होंने छात्राओं को सीख दी कि वे अपने परिवार और सास-ससुर की सेवा करें, जिससे घर में सुख-शांति का माहौल बना रहे।

ढाई माह के मासूम की टीकाकरण के बाद संदिग्ध हालात में हुई मौत, मुंह व नाक से आने लगा था खून

ममरेजपुर आल सरैया गांव में ढाई माह के एक मासूम की टीकाकरण के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। स्वास्थ्य विभाग ने बच्चे का पोस्टमार्टम कराने को कहा, लेकिन परिजनों ने इससे इन्कार कर दिया। पाता सरैया निवासी ओमजी के दो पुत्र हैं। उनके बड़े बेटे बिराज की उम्र तीन वर्ष है, जबकि छोटा बेटा सक्षम ढाई माह का था। बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे ओमजी अपने पुत्र सक्षम को टीकाकरण के लिए गांव के प्राथमिक विद्यालय में आयोजित वैक्सीनेशन शिविर में ले गए थे। वहां तैनात एएनएम कल्पना ने बच्चे को निर्धारित वैक्सीन लगाई। टीकाकरण के बाद परिजन सक्षम को घर ले आए। ओमजी के अनुसार, रात में उनके पुत्र की तबीयत बिगड़ गई। बृहस्पतिवार तड़के सक्षम के मुंह व नाक से खून आने लगा।परिजन उसे अस्पताल ले जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि इसी बीच मासूम ने दम तोड़ दिया। परिजनों की सूचना पर पाता चौकी प्रभारी नरेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। इसके बाद डिप्टी सीएमओ राकेश कुमार और सीएचसी अछल्दा अधीक्षक जितेंद्र कुमार टीम के साथ गांव पहुंचे। सीएचसी अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि एक ही वॉयल से तीन बच्चों को पेंटा, रोटावायरस और ओपीवी की दूसरी खुराक लगाई गई थी।उन्होंने कहा कि टीकाकरण के बाद अगर कोई दिक्कत होती है तो वह 30 मिनट के अंदर पता चल जाती है। अन्य दो बच्चे स्वस्थ हैं। उनकी राय में इस बच्चे की मौत वैक्सीन से नहीं हुई है। मौत की वजह पोस्टमार्टम से स्पष्ट होती पर परिजनों ने इन्कार कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के दौरान नाली में बह गई तीन साल की बच्ची, हुई दर्दनाक मौत; घर के बाहर खेलते-खेलते हुआ हादसा

परिजनों ने बच्ची को नाली के पानी में गिरते और डूबते हुए देख लिया था। उन्होंने तुरंत ही उसे बचाने का प्रयास किया और नाली के तेज बहाव में उसकी तलाश शुरू कर दी। लेकिन बारिश के कारण पानी का बहाव इतना तेज था कि जब तक बच्ची को पानी से बाहर निकाला जा सका, तब तक काफी देर हो चुकी थी और

मासूम पल्लवी ने दम तोड़ दिया था। गाजियाबाद स्थित विजयनगर थाना क्षेत्र की सर्वोदय कॉलोनी में बृहस्पतिवार शाम को एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया। यहां भारी बारिश के दौरान जलभराव के चलते एक तीन वर्षीय मासूम बच्ची की नाली के तेज बहाव में डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक और मातम का माहौल है।घर के बाहर खेल रही थी पल्लवी- मृतक बच्ची की पहचान पल्लवी (3) पुत्री सुमित के रूप में हुई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (एसीपी) ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा बृहस्पतिवार की शाम करीब चार बजे हुआ। उस वक्त इलाके में तेज बारिश हो रही थी और चारों तरफ पानी भरा हुआ था। मासूम पल्लवी घर के बाहर खेल रही थी, तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह घर के पास ही बनी गहरी नाली में जा गिरी।तेज बहाव के कारण न बचा सका कोई- परिजनों ने बच्ची को नाली के पानी में गिरते और डूबते हुए देख लिया था। उन्होंने तुरंत ही उसे बचाने का प्रयास किया और नाली के तेज बहाव में उसकी तलाश शुरू कर दी। लेकिन बारिश के कारण पानी का बहाव इतना तेज था कि जब तक बच्ची को पानी से बाहर निकाला जा सका, तब तक काफी देर हो चुकी थी और मासूम पल्लवी ने दम तोड़ दिया था। इस हादसे ने एक बार फिर बारिश के दौरान जलभराव और खुले नालों से होने वाले खतरों को उजागर कर दिया है।

लखनऊ तक गूंजा थप्पड़ कांड, गांव में हाई अलर्ट, छावनी में तब्दील क्षेत्र, बाहरी लोगों की एंट्री पर रोक

मेरठ के रोहटा क्षेत्र के थिरोट गांव में ललिता गौतम हत्याकांड को लेकर हुए प्रदर्शन के बाद भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। बाहरी लोगों और मीडिया के प्रवेश पर रोक लगाई गई है।मेरठ के रोहटा थानाक्षेत्र में हुए ललिता गौतम हत्याकांड को लेकर बुधवार को धरना-प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई के बाद हंगामा हो गया। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। वहीं गुरुवार को मेरठ के रोहटा थाना क्षेत्र स्थित गांव में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। पूरे गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। एहतियात के तौर पर बाहरी लोगों और मीडिया के प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई।सोशल मीडिया पर

प्रदर्शन की घोषणा के बाद बढ़ाई सुरक्षा प्रशासन के अनुसार विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों की ओर से सामाजिक माध्यमों पर गांव पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने की घोषणाएं की गई थीं। इसे देखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए गांव की घेराबंदी कर दी गई और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।गांव के सभी प्रमुख मार्गों पर हो रही निगरानी गुरुवार सुबह से ही गांव के सभी प्रमुख रास्तों पर पुलिस बल तैनात किया गया। आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की निगरानी की गई। बाहरी लोगों के गांव में प्रवेश पर रोक लगाई गई, जबकि मीडिया कर्मियों को भी गांव के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई।प्रशासन बोला-कानून व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता प्रशासन का कहना है कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। पूरे दिन पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी गांव की स्थिति पर नजर बनाए रहे और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सख्त रखी गई।टीपीनगर थाना क्षेत्र की बीए की छात्रा 15 मई की सुबह स्नातक की परीक्षा देने घर से निकली थी लेकिन वह कॉलेज नहीं पहुंची। पुलिस के अनुसार रोहटा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी अंकुश उसे अगवा कर उकसिया गांव ले गया था। वहां ईख के खेत में उसने छात्रा पर शादी का दबाव बनाया। छात्रा के इनकार करने पर आरोपी ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने अपहरण और हत्या के आरोप में अंकुश तथा साक्ष्य छिपाने के आरोप में खेत मालिक आदेश व एक अन्य को गिरफ्तार कर कार्रवाई की थी। वहीं परिजन छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए अंकुश के भाई, पीएसी के सिपाही अंकित, और उसकी मां की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। इसके बाद धरना प्रदर्शन के बाद लाठीचार्ज किया गया। इसी बीच एसएसपी अविनाश पांडेय के एक वकील को थप्पड़ मारने के मामले ने तूल पकड़ लिया।

संयुक्त निगरानी समिति द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / जनपद बदायूं में संयुक्त निगरानी समिति द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया, जिसमें सुरक्षित बचपन की निगरानी समिति के समस्त सदस्यों द्वारा जिला कारागार में सुरक्षित बचपन के तहत चिन्हित बच्चों के सम्बन्ध में निरीक्षण किया गय जिसमें समिति द्वारा बच्चों की समस्त आवश्यकताओं की समीक्षा की गयी। बच्चों को स्वास्थ्य, शिक्षा, योजनाओं से लाभान्वित किये जाने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, ए0सी0एम0ओ, बाल रोग विशेषज्ञ, को समिति द्वार निर्देश दिये गयें। वर्तमान में 05 बच्चे अपने माता के साथ संवासित है उनकी आई0सी0पी0 का फॉलोअप तथा बच्चों की समय-समय पर काउसलिंग कराये जाने हेतु जिला बाल संरक्षण अधिकारी को निर्देशित किया गया तथा अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा जिला कारागार में संवासित महिला बन्दी के परिवार में घर पर रह रहे बच्चों को योजना से जोडने हेतु आवश्यक दस्तावेजो को सम्बन्धित उप जिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर दस्तावेज तैयार कराये के साथ विभागीय योजना से लाभान्वित किये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी ,मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 मोहन झॉ, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति नन्द किशोर पाठक, संरक्षण अधिकारी रवि कुमार सामाजिक कार्यकता भमरपाल सिंह अधीक्षक जिला कारागार राजेन्द्र कुमार, जेलर जिला कारागार शैलेश कुमार सिंह सोनकर, अनन्या अत्री उप अधीक्षक कारागार उपस्थित रहें।

जनपद के 421 बच्चों को संरक्षण प्रदान कर रहा है महिला कल्याण विभाग

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / आज मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के अन्तर्गत 421 बच्चों के चेहरे पर एक मुस्कान लेकर आयी है। यह वह बच्चे है, जिन्होनें अपने माता-पिता अथवा माता-पिता में से किसी एक को कोविड कॉल के दौरान खो दिया था। ऐसे में यह योजना उन बच्चों तथा गरीब परिवार को वरदान साबित हुयी जिससे कि आसानी से बच्चो द्वारा अपनी पढ़ाई लिखाई तथा बच्चों के अभिभावक द्वारा बच्चों का लालन-पालन किया गया। वर्तमान इस योजना का लाभ लेते हुये बहुत से ऐसे बच्चे है जिनके द्वारा हाईस्कूल तथा इन्टर में प्रथम श्रेणी से पास होने के उपरान्त भिन्न विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की जा रही है। वर्तमान में यह योजना ऑन लाइन कर दी गयी है। अगर कोई ऐसा बच्चा है जो अपने माता-पिता अथवा माता-पिता में से किसी एक को खो दिया है तो इस योजना का लाभ ऑन लाइन आवेदन कर ले सकता है।

मेरी पंचायत-हरित पंचायत अभियान को जनआंदोलन बनाने के निर्देश

खाली गौशालाओं में होगा व्यापक वृक्षारोपण, ग्राम सभाओं के माध्यम से हरित पंचायत का संकल्प दिलाया जाएगा - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / जनपद में हरित वातावरण के निर्माण एवं वृहद वृक्षारोपण अभियान को गति देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता न रह जाए, बल्कि इसे जनभागीदारी के साथ जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद में जिन गौशालाओं का मर्जर हो चुका है और जो परिसर वर्तमान में खाली हैं, वहां बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कराया जाए। उन्होंने कहा कि इन स्थलों को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना तत्काल तैयार की जाए तथा आज से ही वीबीजी राम जी के अंतर्गत गड्ढा खोदने का कार्य प्रारंभ कर दिया जाए, ताकि निर्धारित समय पर पौधरोपण का कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आगामी एक सप्ताह के भीतर जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। इन ग्राम सभाओं में ग्रीन पंचायत अभियान मेरी पंचायत, हरित पंचायत के उद्देश्य, पर्यावरण संरक्षण के महत्व तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया जाए और जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित करे तथा पौधरोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण की भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान की नियमित निगरानी करते हुए वृक्षारोपण की तैयारियों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर जनपद में वृहद वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाया जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद मौर्य, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप यादव, अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दूरस्थ क्षेत्र में सेवा का अनुकरणीय उदाहरण

बूंदाबांदी बारिश के बीच 396 ग्रामीणों का हुआ नि:शुल्क उपचार, 150 मच्छरदानियां व 101 अंगवस्त्र वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / कोल्हुआ, सूरजपुर (छत्तीसगढ़) ।श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा मकरी कुटिया, गढ़वा (झारखंड) के तत्वावधान में तथा स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग के सहयोग से दूरस्थ एवं सुविधाविहीन क्षेत्र ग्राम पंचायत कोल्हुआ, जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़) में एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया।

लगातार बूंदाबांदी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिविर में पहुँचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने कुल 396 मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया। इनमें एलोपैथिक चिकित्सा से 200, होम्योपैथिक चिकित्सा से 127 तथा आयुर्वेदिक चिकित्सा से 69 मरीज लाभान्वित हुए। सभी मरीजों को आवश्यक परामर्श एवं नि:शुल्क दवाइयाँ भी उपलब्ध कराई गईं। सेवा कार्य के अंतर्गत मलेरिया से बचाव हेतु 150 मच्छरदानियों का वितरण किया गया। साथ ही बच्चों एवं बच्चियों को 101 अंगवस्त्र प्रदान किए गए। इस शिविर का लाभ आसपास के अनेक ग्रामों के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक प्राप्त किया।

यह सेवा अभियान परम पूज्य अघोरेश्वर महाप्रभु अवधूत भगवान राम जी एवं पूज्य बाबा गुरुपद संभव राम जी की कृपा एवं गुरु प्रेरणा से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उपस्थित चिकित्सकगण- डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. सुरेश मिश्रा, डॉ. अमन भगत, डॉ. उपेंद्र सिंह, डॉ. प्रभात रंजन उपाध्याय, डॉ. विकास दुबे, डॉ. चंद्रकला मिंज एवं समस्त स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग की टीम। विशिष्ट सहभागिता- श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा अंबिकापुर से सर्वश्री समर विजय प्रताप सिंह तोमर, प्रमोद श्रीवास्तव एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा केतार से डॉ. बी. एन. पांडेय जी ने सहभागिता निभाई। मां गढ़वतिया देवी धाम, महुली के सेवकों में सर्वश्री तुलसी जायसवाल, बृजेश देवांगन, शिशुपाल जायसवाल, रामलाल पंडों, बसंतलाल साहू, शिवकुमार जायसवाल, सियाराम साहू, अमरजीत सिंह, रंजीत सिंह एवं बेहर देवांगन जी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। आयोजन में विशेष योगदान- श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा मकरी कुटिया आश्रम, गढ़वा (झारखंड) की ओर से सर्वश्री बिहारीराम बाबा, पूनमचंद गोयल, दिनालाल सिन्हा, जशवंत गुप्ता, साधु, अनुपलाल यादव, मुकेश गुप्ता, कृष्णा गुप्ता, विकास गुप्ता, रमेश यादव, मनोज पासवान एवं अभय यादव जी का विशेष योगदान रहा। संदेश - मानव सेवा ही सर्वोच्च सेवा है।

कोंच नगर पालिका का निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के लिए जिलाधिकारी के सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, कर वसूली, कूड़ा प्रबंधन एवं शौचालय संचालन की समीक्षा, समयबद्ध सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज नगर पालिका परिषद कोंच का निरीक्षण कर नगर की मूलभूत नागरिक सुविधाओं एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, पेयजल आपूर्ति, कर वसूली, एमआरएफ सेंटर, सामुदायिक एवं पिंक शौचालयों के संचालन तथा अभिलेखों के रखरखाव की गहन जांच की गई। समीक्षा में विभिन्न बिंदुओं पर सुधार की आवश्यकता पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कूड़ा प्रबंधन एवं स्टॉक रजिस्टर से संबंधित अभिलेख व्यवस्थित रूप से उपलब्ध नहीं मिले। वहीं स्ट्रीट लाइट के स्टॉक रजिस्टर में एलईडी लाइटों की खरीद, वितरण, खराब होने तथा वापस प्राप्त होने का समुचित विवरण भी दर्ज नहीं था। इस पर जिलाधिकारी ने व्यवस्थित अभिलेख संधारित करने तथा नगर की सभी खराब स्ट्रीट लाइटों को शीघ्र ठीक कर प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। पिंक टॉयलेट एवं सामुदायिक शौचालय बंद पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि नागरिक सुविधाओं से किसी प्रकार से बर्दास्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सुबह, दोपहर एवं शाम नियमित कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर शौचालयों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा में नगर के नौ ट्यूबवेलों के संबंध में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों में विसंगति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब किया। उन्होंने कहा कि गलत सूचना देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। यदि जल संस्थान स्तर से गलत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कर वसूली एवं विज्ञापन शुल्क की समीक्षा में प्रगति अपेक्षानुरूप न मिलने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगते हुए नगर पालिका की आय बढ़ाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।एमआरएफ सेंटर के संचालन एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कूड़े का वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित निस्तारण किया जाए तथा उपलब्ध संसाधनों का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बरसात के मौसम को देखते हुए नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था एवं विशेष सफाई अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि यह पूर्व निर्धारित निरीक्षण विशेष रूप से मानसून की तैयारियों का आकलन करने के उद्देश्य से किया गया है। निरीक्षण में जिन बिंदुओं पर कमियां पाई गई हैं, उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नगर में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को और बेहतर बनाने, सामुदायिक एवं पिंक शौचालयों के नियमित संचालन के लिए जवाबदेही तय करने तथा विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए बोर्ड की बैठक शीघ्र आयोजित कर जनहित से जुड़े प्रस्तावों एवं लंबित टेंडरों का निस्तारण कराने के निर्देश दिए। नगर की सीवर समस्या को गंभीर बताते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि इसके स्थायी समाधान के लिए शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजा जा चुका है तथा डीपीआर तैयार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। तब तक स्थानीय स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्थाओं के माध्यम से जल निकासी की समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे बरसात के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर प्रदीप गुप्ता ,मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, उप जिलाधकारी हेमन्त पटेल, अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव आदि सभासद सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बिजली व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, ट्रिपिंग, लो-वोल्टेज और बिजली चोरी पर चलेगा सख्त अभियान - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / 101 ट्रांसफार्मरों की शीघ्र आपूर्ति, सरकारी नलकूपों के लिए तीन दिन में ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने के निर्देश, संयुक्त टीम करेगी बिजली चोरी के विरुद्ध कार्रवाई जनपद में

विद्युत आपूर्ति को अधिक सुचारु, निर्बाध एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता प्रथम एवं द्वितीय, ट्रांसमिशन, वर्कशॉप, विद्युत विजिलेंस सहित संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में विद्युत आपूर्ति, ट्रिपिंग, लो-वोल्टेज, जर्जर लाइनों, ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता तथा बिजली चोरी की रोकथाम की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बरसात के मौसम में विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त रखना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ट्रिपिंग, लो-वोल्टेज एवं फाल्ट की शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।बैठक में बताया गया कि जनपद में ट्रांसफार्मरों की कुल 488 मांग के सापेक्ष अब तक 387 ट्रांसफार्मरों की आपूर्ति की जा चुकी है। इस पर जिलाधिकारी ने शेष 101 ट्रांसफार्मरों की आपूर्ति शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से सरकारी नलकूपों के लिए आवश्यक 10 ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता आगामी तीन दिनों के भीतर सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, जिससे सिंचाई व्यवस्था प्रभावित न होने पाए।जिलाधिकारी ने बिजली चोरी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अवैध रूप से कटिया डालकर विद्युत चोरी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि नगर क्षेत्र में नगर मजिस्ट्रेट, क्षेत्राधिकारी (सीओ), अधिशासी अभियंता तथा विद्युत विजिलेंस की संयुक्त टीम विशेष अभियान चलाकर विद्युत चोरी करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करे। इसी प्रकार तहसील स्तर पर उप जिलाधिकारी, एसडीओ एवं संबंधित अधिकारियों की संयुक्त टीम भी नियमित अभियान चलाकर विद्युत चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाए।बरसात के दौरान संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विद्युत लाइनों के संपर्क में आने वाली पेड़ों की शाखाओं की समयबद्ध छंटाई कराई जाए तथा जर्जर विद्युत लाइनों एवं अन्य तकनीकी कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति से जुड़े प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता, त्वरित कार्रवाई और जनहित सर्वोपरि होना चाहिए। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता योगेंद्र सिंह, अधिशासी अभियंता प्रथम, जितेंद्र नाथ अधिशासी अभियंता महेंद्रनाथ भारती आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मिलावटखोरों पर प्रशासन की सख्ती, 10.22 लाख का जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / जिलाधिकारी ने खाद्य एवं औषधि विभाग को दिए कड़े निर्देश, रंगयुक्त सब्जियों, दूध, मसालों और खाद्य तेल की नियमित सैंपलिंग के आदेश जनपद में आमजन को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध चल रही कार्रवाई की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के प्रति किसी भी स्तर पर नरमी न बरती जाए तथा मिलावटखोरों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रखा जाए। बैठक में सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. सी.आर. प्रजापति ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार चलाए गए विशेष अभियान के तहत जनपद में मिलावटखोरों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है। न्यायालय द्वारा अब तक कुल 10 लाख 22 हजार 500 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया जा चुका है। दूध में मिलावट के दोषी पाए गए 09 व्यक्तियों पर अकेले 5 लाख 72 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष में 52 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए, जिनमें 15 नमूने मानक के अनुरूप नहीं पाए गए। इन सभी मामलों में न्यायालय में वाद दायर किए गए तथा दोषी विक्रेताओं पर अर्थदंड लगाया गया। औषधि निरीक्षक ने बताया कि वर्ष के दौरान 37 मेडिकल प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 26 औषधियों के नमूने लिए गए, जिनमें एक नमूना अधोमानक पाया गया। संबंधित प्रकरण में न्यायालय में वाद दायर कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के सभी मेडिकल स्टोरों को जीएसटी पंजीकरण के दायरे में लाकर पारदर्शी बिलिंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

Lipstick Side Effects: Does wearing lipstick daily damage your lips? Every girl should know

Does lipstick dry out your lips? The answer isn't a definitive "yes" or "no." Good-quality lipstick generally doesn't harm your lips, but long-term use of matte lipstick, insufficient moisturization, and improper makeup removal can dry them out. Lipstick has become an integral part of women's makeup routines. Whether it's going to the office, attending a party, or simply getting ready, lipstick instantly enhances your face's beauty. But the question often arises: Does lipstick dry out your lips? Is it safe to wear lipstick daily? Can lipstick darken your lips? Many believe that wearing lipstick daily causes lips to lose their natural moisture, while others argue that high-quality lipstick doesn't. However, lipstick isn't solely responsible for dry lips. Weather, dehydration, frequent lip licking, poor lip care routines, and low-quality cosmetic products can also be major causes. Some matte lipsticks lack moisturizing ingredients, which can cause dry lips. Choosing the right lipstick, using lip balm, and removing makeup thoroughly at night can help keep lips soft and healthy for a long time. There are many myths surrounding lipstick. Let's explore the truth about lipstick's effects on your skin and lips. Does lipstick really dry out your lips? Not every lipstick makes your lips dry. Lipsticks with a moisturizing formula can help maintain moisture. Matte lipsticks last longer but can increase dryness in some people. If your lips are already chapped or dehydrated, the dryness may be more pronounced. Does daily lipstick damage your lips? Lipsticks from a good brand and with the right ingredients are generally safe. Problems arise when expired or low-quality products are used. Neglecting lip care can also affect lips. Does matte lipstick cause more damage? Not all matte lipsticks are harmful. Many modern matte lipsticks also contain moisturizing ingredients like vitamin E and hyaluronic acid. Some people may experience dryness if left on for extended periods. Does lipstick darken lips? Lipstick isn't the only culprit. Sunlight, smoking, allergies, and poor-quality products can also alter lip color. Using a lip balm with SPF can help. The main causes of dry lips include: dehydration, cold or dry weather, frequent lip licking, excessive sun exposure, vitamin deficiencies, allergies, and low-quality cosmetics. How to choose the right lipstick? Choose lipstick with vitamin E. Products containing shea butter and jojoba oil are preferable. Avoid products with parabens and strong fragrances. Choose a trusted brand. Be sure to check the expiration date. Easy ways to prevent dry lips: Apply lip balm several times a day. Drink plenty of water. Do a light exfoliation 1-2 times a week. Remove lipstick completely at night. Apply a lip mask or petroleum jelly before going to bed. Use a lip balm with SPF in the sun. Who should be cautious? Those with sensitive skin. Those with allergies. Those with chapped lips. Those who have had a reaction to any cosmetic. What do experts advise? - Applying lipstick daily is generally safe, provided the product is of good quality. Following a lip care routine is as important as choosing the right makeup. If any lipstick causes irritation, itching or swelling, stop using it immediately.

Dengue vs. Malaria: You've been experiencing recurring fevers for a few days. Should you get tested for dengue or malaria? How to find out?

If you're experiencing persistent fever, chills, severe body aches, or a low platelet count, it's important to understand which test will be more effective. Let's find out when to get tested for dengue or malaria. Health experts advise everyone to be cautious about their health during the monsoon season. Increased humidity and waterlogging due to rain increase the risk of mosquito-borne diseases. This is why the number of patients presenting with high fever symptoms increases significantly in hospitals during July and October. While fever is quite common, if it persists for several days or keeps coming back, it's important to consult a doctor and get it checked. Sometimes, this can be a sign of mosquito-borne diseases like dengue and malaria. It's worth noting that the symptoms of dengue, malaria, and viral fever can appear quite similar. While medication can suppress fever, the disease can develop into a serious condition. The big question is how to know if you should get tested for dengue or malaria if you have a fever. The risk of dengue and malaria during the rainy season: Cases of both dengue and malaria increase significantly during the monsoon months. Dengue is a disease caused by the bite of the Aedes mosquito, while malaria is caused by the Plasmodium parasite, transmitted by the Anopheles mosquito. The dengue-carrying mosquito typically bites during the day, while the malaria-carrying mosquito is more active in the evening and night. Both diseases cause high fever, along with body aches, weakness, and fatigue. However, it's important to differentiate and treat them promptly. When should you get tested for dengue? Dengue typically presents with a sudden, high fever of 102-104°F. It may also be accompanied by headache, pain behind the eyes, severe muscle and joint pain, weakness, loss of appetite, and a skin rash. Some patients also experience nausea and vomiting. As the disease progresses, platelets begin to decrease, leading to serious conditions such as bleeding from the gums, nose, or other parts of the body. However, it's not necessary for every patient to have low platelets. If these symptoms appear along with a high fever during the rainy season, you should consult a doctor and get tested for dengue. When should you get tested for malaria? High fever accompanied by chills is a hallmark of malaria. Sometimes, the fever can come and go. Malaria can also cause headaches, vomiting, muscle pain, weakness, and fatigue. In severe cases, fainting, breathing problems, anemia, or kidney problems can also occur. If you live in an area with a high incidence of malaria, it's crucial to get tested for malaria. Keep these things in mind: If you have a fever, take paracetamol as directed by your doctor and ensure adequate rest. Avoid hydration. Continue drinking ORS, coconut water, and other fluids. Avoid excessive use of antibiotics or painkillers without consulting a doctor. If you suspect dengue, it's advisable to avoid medications like ibuprofen, as they can increase the risk of bleeding. Early diagnosis and treatment can help prevent complications.

5 Expensive Items That Save You Money, Wise People Always Invest

Some purchases may seem expensive at first glance, but they can save you significant savings in the long run by preventing recurring expenses. Good-quality shoes, ergonomic chairs, comfortable mattresses, books and skill courses, and sturdy phone cases are just some of these. Spending on these items not only provides convenience but also saves time, health, and future savings. Whenever we buy something, the first thing we notice is its price. If the price is high, we often abandon it and choose a cheaper option. But have you ever considered that if a cheap item needs to be replaced repeatedly, its total cost can be even higher than a high-quality product? Wise buyers don't shop solely for price; they prioritize quality and time over price. In other words, they consider the total cost over time. For example, a ?5,000 product that lasts five years may prove more economical than a ?1,500 item that needs to be replaced every year. This mindset can save you from unnecessary expenses. Spending a little more on certain items initially can reduce future repair, replacement, and health-related expenses. Furthermore, some of these investments can also help increase your income and improve your quality of life. If you also want to spend money smartly, be sure to include these 5 items on your shopping list. 5 Simple Rules for Smart Shopping: Consider durability, not just price. Before buying cheap, consider the lifespan of a product. Pay attention to quality and warranty. Consider health and education expenses as investments. Buy according to your needs, not just based on trends. Good quality shoes: Good shoes costing ?3,000 to ?6,000 may seem expensive at first glance, but their durable quality makes them a better investment. Good shoes last a long time. Reduces the need to buy new shoes frequently. Provides better support. Increases comfort while walking or standing for long periods of time. May reduce the risk of discomfort from poorly fitting shoes. Ergonomic Chair - If you spend most of your time at a laptop or desk, a good ergonomic chair can prove beneficial in the long run. It makes sitting more comfortable. Helps maintain proper posture. Makes working for long periods easier. It improves focus and productivity during work. Good Quality Mattress - We spend approximately one-third of our lives sleeping. Therefore, investing in a comfortable and supportive mattress can be a useful investment for many people. It improves sleep quality and helps the body get adequate rest. You may feel more refreshed in the morning. Long-term use yields better value. Books and Skills Courses - The most valuable investment is investing in knowledge. Learning new skills isn't just about increasing your knowledge; it can also improve your career and income opportunities. This investment provides opportunities to learn new skills, offers the potential for career advancement, boosts self-confidence, and can lead to better income opportunities in the long run. It helps prepare you for the changing job market. Strong phone case - A good quality phone case can cost around ?800-1,500, but it can help prevent expensive repair bills. It can prevent the phone screen from cracking, protect the back panel from damage, and protect the camera module from damage. It can also prevent deep scratches on the body. A small investment in phone protection often pays less than the cost of a major repair.

Saqib Saleem and Huma Qureshi broke down in tears in the theater, making a special request to fans.

Huma Qureshi's film "Baby Do Die Do" was released in theaters yesterday. The actress has high hopes for this film. In a viral video, she was seen crying with her brother. Huma Qureshi also made a special request to fans. A media, in which Huma Qureshi and Saleem arrived at a theater to watch "Baby Do Die Do." The theater was and Saqib surprised fans by arriving became emotional. Why did Saqib break down in tears in the theater? explains that Saqib has been working years. Saqib produced "Baby Do Die Qureshi, Rachit Singh, and Chunky is delighted to see a large crowd of fans keeps everyone in our family cry, and Saqib also becomes embrace. Huma further tells the film. If you like it, go and tell is competing with Alia Bhatt's female-centric action films, but more. In addition to Alia, the film also performed numerous action scenes. opening day? Huma Qureshi-starrer

video is going viral on social her brother and actor Saqib the reception for their film well-attended. Huma Qureshi at the theater. The siblings also Saleem and Huma Qureshi In the viral video, Huma hard on this film for many Do." The film stars Huma Pandey in pivotal roles. Huma at the theater. She says, "Saqib together." She then begins to emotional. The siblings audience, "Now this is your everyone." "Baby Do Die Do" "Alpha" in theaters. Both are audiences are liking "Alpha" stars Sharvari, and both have How much did the film earn on action-thriller "Baby Do Die Do" released on Friday. The film earned ?40 lakh on its first day at the box office. According to media reports, the film's budget is ?25 crore. The film had a slow start in terms of opening day earnings.

"That day she came..." Aditya Roy Kapur and Parineeti Chopra were afraid of Katrina Kaif! A major revelation on "Koffee with Karan"

Actress Parineeti Chopra once revealed that she gets very nervous around Katrina Kaif. Find out why. Parineeti Chopra, along with Aditya Roy Kapur, joined the "Koffee with Karan" couch and mentioned that nervous around Parineeti shared a anecdote: about a fangirl "Koffee with Parineeti said that idol and that she and composed Recounting a anecdote, "That day she to the gym, and I increased the treadmill." Then over and asked, doing?" "How have you had?" "Chamkeela" "20 minutes," to replied sternly, "5 minutes." Hearing immediately said, say." She further like my idol."

jokingly she gets very Katrina Kaif. special Speaking moment on Karan," Katrina is her loves her calm nature. special Parineeti said, (Katrina) came immediately speed of my Katrina came "What are you many minutes the actress replied, which Katrina more this, Parineeti "Okay, as you added, "She's What did Aditya say about being scared of Katrina? When host and filmmaker Karan Johar asked Aditya if he was scared of Katrina, he said, "Yes, sometimes." Karan replied, "But why? She's so sweet." Both Parineeti and Aditya then shared that Katrina's straight face can make anyone nervous. While Parineeti hasn't yet shared the screen with Katrina, Aditya Roy Kapur was seen romancing her in the 2016 film "Fitoor." On the work front, Parineeti recently released a devotional song, "Namami Shamisham."

Khesari Lal Yadav sets the stage on fire with his new Bhojpuri song; performs a powerful dance with Rani in "Dardiya Ae Balam"

Bhojpuri industry superstar Khesari Lal Yadav's new song, "Dardiya Ae Balam," has been released. It's sung by him and Shilpi Raj. Khesari Lal Yadav is renowned for his acting skills, as well as his singing and dancing. The Bhojpuri film superstar's songs have a unique following among fans. Khesari also releases new songs based on popular demand. Once again, he has come up with a blockbuster. Khesari Lal Yadav has released a new Bhojpuri song, titled "Dardiya Ae Balam." This song showcases his electrifying style. It's filmed on Khesari and Rani, with both of them performing with incredible rhythm. The song was released on the Global Music Junction YouTube channel. The song showcases the amazing chemistry between Rani and Khesari Lal Yadav. Khesari has performed many of his signature dance steps. Based on a village background, this song also has a glimpse of traditions and a touch of romance. The song has been sung by Khesari Lal Yadav and Shilpi Raj together. The lyrics of the song have been written by Tuntun Yadav. What did the netizens say? This song of Khesari was released today on Saturday. Till now it has got more than 2 lakh 88 thousand views. Netizens are praising it a lot in the comment box. Khesari's fans are writing, 'This song is touching the heart'. At the same time, they are also praising Rani's acting and dance.